परित्याग से अवसर तक: बीसीसीएल ने एमडीओ मॉडल के माध्यम से पुरानी कोयला खदान फिर से चालू की

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) ने माइन डेवलपर और ऑपरेटर (एमडीओ) मॉडल के तहत लंबे समय से बंद पीबी प्रोजेक्ट से कोयला उत्पादन को सफलतापूर्वक फिर से शुरू कर दिया है।
- बीसीसीएल और पूरे कोल इंडिया इकोसिस्टम के लिए एक उपलब्धि के रूप में सीआईएल समूह के भीतर यह पहली चालू एमडीओ खदान बन गई है।

किसे प्रदान की गई:

- ईगल इन्फ्रा इंडिया लिमिटेड को 25 वर्षों के लिए प्रदान की गई पीबी परियोजना, अपने अवधि चक्र के दौरान 52 मिलियन टन (पीआरसी-2.7एमटीवाई) कोयला - मुख्य रूप से कोकिंग कोयला - प्रदान करेगी, जो भारत के इस्पात और अवसंरचना क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण इनपुट है।

इसके लाभ:

- यह सार्वजनिक-निजी पहल ऊर्जा आत्मनिर्भरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है:
- निजी क्षेत्र की दक्षता के माध्यम से पुरानी कोयला परिसंपत्तियों को पुन चालू करना
- घरेलू कोकिंग कोयले की आपूर्ति बढ़ाकर आयात पर निर्भरता कम करना
- उन्नत खनन प्रौद्योगिकियों और सर्वोत्तम तौर-तरीकों को लागू करना
- रोजगार सृजन और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को समर्थन
- पारदर्शी, टिकाऊ और उत्पादक संसाधन उपयोग सुनिश्चित करना

राजस्व प्राप्ति:

- राजस्व-साझाकरण मॉडल के तहत, बीसीसीएल को सकल राजस्व का 6 प्रतिशत प्राप्त होगा, जो न्यायसंगत और पारदर्शी खनन साझेदारी के लिए एक मानक स्थापित करेगा।

PB प्रोजेक्ट: पूटकी बलिहारिया (Putki Balihari) कोयला खदान

- यह भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (BCCL) द्वारा संचालित एक कोयला खदान है।
- धनबाद, झारखंड में स्थित है।
- यह कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी है।